मेरा पन्ना

मयूरी मोरा, चौथी, उज्जैन, म.प्र.

प्रज्ञा, पहली, दिल्ली

हिमानी संगोले

दो दिन कॉरबेट पार्क में

पापा ने बताया, "बच्चो कल कैलाश चाचा आ रहे हैं। उनका फोन आया है। कॉरबेट पार्क घूमने जाएँगे।" हरषू ने कहा, "वही कैलाश चाचा जिनकी शादी में हम गए थे?"

जिम कॉरबेट नेशनल पार्क मेरे शहर रामनगर से लगा हुआ है। अगले दिन मैं स्कूल से आया। मैंने फटाफट कपड़े उतारे। पूड़ी, आलू और खीर खाई। फिर हम चल दिए। पापा, मम्मी, छोटी बहन हरषू, चाचा, चाची एक खुली जीप में गए। गरजिया के आगे गाँव के रास्ते कॉरबेट पार्क के गेट पर एक म्यूज़ियम है। वहाँ से आगे ढ़िकला का रास्ता पड़ता है। वहाँ बहुत घना जंगल है। हम जा ही रहे थे कि हमने खूब सारे बारहसिंघा देखे। हम आगे गए तो हमें ढेर सारे सुअर के बच्चों का झुण्ड दिखाई पड़ा। हम थोड़ा आगे बढ़े तो हमें एक नाला दिखाई पड़ा। वहाँ पानी नहीं था। हमने वहाँ बहुत सारे हिरन देखे। आगे जाकर एक बड़ा सुअर देखा। फिर हम बाघ का इन्तज़ार करने लगे। हम ही नहीं आगे बहुत लोग इन्तज़ार कर रहे थे। हम आगे चल दिए। आगे हमें कुछ आदमी दिखाई पड़े। हमने उनसे पूछा यह कौन-सा हाथी है। उन्होंने बताया कि यह टस्कर हाथी है। हम आगे गए तो रोड से एक टस्कर हाथी जा रहा था फिर हम ढिकाला पहुँच गए। फिर रात हो गई। हमने ढिकाला में कई हिरण देखे और खाना खाया। फिर हम सो गए।

फिर अगले दिन हम सुबह छह बजे उठे। हमने निश्चय किया कि हम हाथी की सवारी करेंगे। पर हमारी सवारी सुबह नौ बजे थी। फिर हम चल दिए। हम जिस रास्ते पर जा रहे थे उसके बोर्ड पर लिखा था – "वन वे ओनली"। हम इस रास्ते के अन्दर जा रहे थे तो वहाँ हमने एक मोड़ देखा। वहाँ कुछ आदमी दिखे उन्होंने कहा कि यहाँ पर बाघ हो सकता है। पर वहाँ पर कोई बाघ नहीं था। हमने आगे जाकर देखा तो हमें हिरण और दो मोर दिखाई पड़े। फिर हमने ढिकाला जाकर मूली के पराठे खाए। फिर हमने किसी का दूरबीन लिया और एक घड़ियाल देखा। फिर हम घर की ओर चल दिए। फिर हमें वहाँ कुछ लोग दिखाई दिए उन्होंने बताया कि यहाँ जानवरों की कॉलिंग हो रही है। हमें यहाँ दो बाघ दिखे। फिर हमने रामगंगा में ढेर सारे घड़ियाल देखे। हम गैरल में वॉचिंग टॉवर पर चढ़े नीचे उतरे और चाय पी। फिर हम घर की ओर चल दिए।

पुष्पेन्दु मठपाल, चौथी, रामनगर, उत्तराखण्ड